8 - I
L - 3
Indian Geography

नेपाल
↓
(A) धौलागिरी
↓
(B) अन्नपूर्णा
↓
(C) मनसालु
↓
सागरमाथा

(1) माउन्ट ऐवरेस्ट (8848 m) - नेपाल

(2) K2 (8611m) - (ट्रांस हिमालय)

(3) कंचनजंगा (8598) - सिक्किम

(4) मकालु (8481m) - नेपाल

हिमालय की उत्पत्ति के सिद्धान्त →

1. शास्त्रीय सिद्धान्त

कोबर - भूसन्नति का सिद्धान्त

2. आधुनिक सिद्धान्त - प्लेट विवर्तनिकी सिद्धान्त

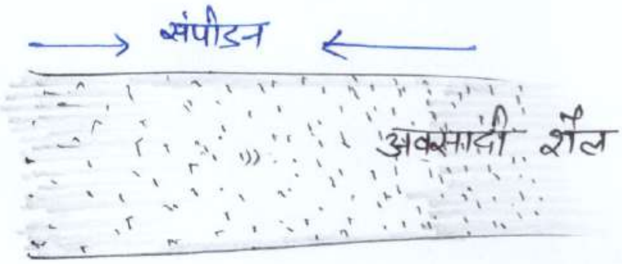

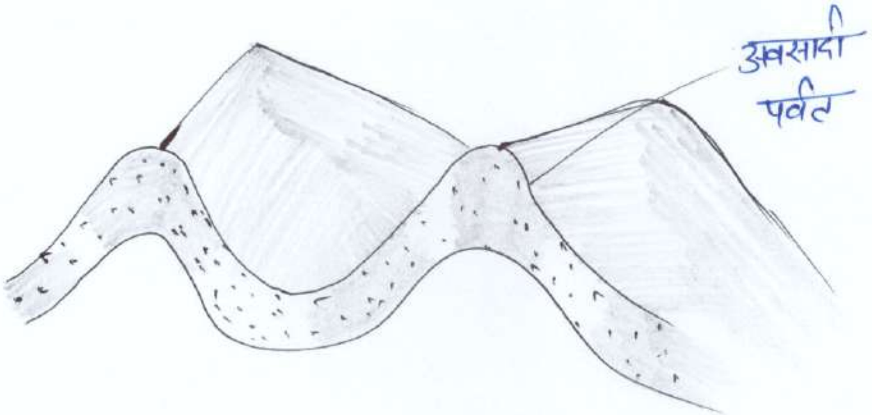

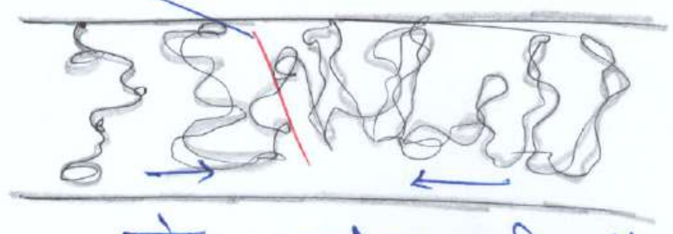

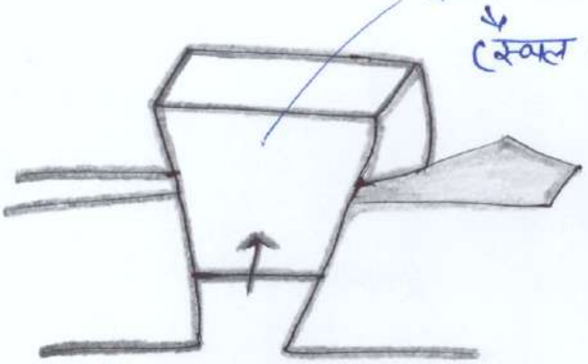

कठोर चट्टान:
- आग्नेय व कायान्तरित शैल
  - आग्नेय → ग्रेनाइट शैल
  - कायान्तरित → नीस, शिष्ट, क्वार्ट्जाइट

शैल के 3 प्रकार →

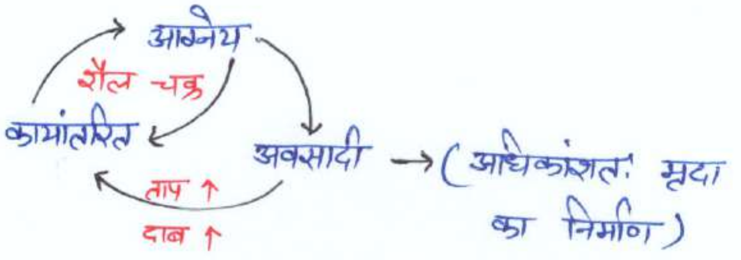

हिमालय की उत्पत्ति →

हिमालय का निर्माण भारत की प्लेट व यूरेशियन प्लेट के अभिसरण की प्रक्रिया द्वारा हुआ। भारत की प्लेट गोंडवानालैंड का भाग हुआ करती थी और इस प्लेट के विभाजन के उपरांत लगभग 70 मिलियन वर्ष पूर्व दक्षिणी गोलार्द्ध की अपनी पूर्ववत स्थिति से उत्तर दिशा की ओर गति करते हुए भारतीय प्लेट एक चरणबद्ध रूप से यूरेशियन प्लेट से जा टकराई व क्रमबद्ध हिमालयी श्रृंखलाओं की उत्पत्ति का कारण बनी।

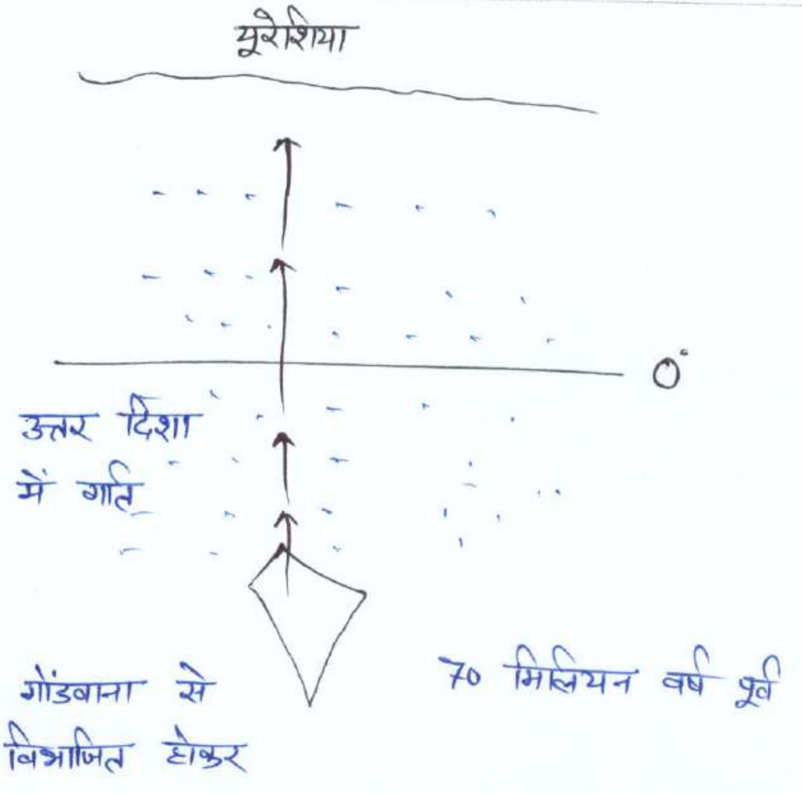
यूरेशिया
0°
उत्तर दिशा में गति
गोंडवाना से विभाजित होकर
70 मिलियन वर्ष पूर्व

अभिसरण

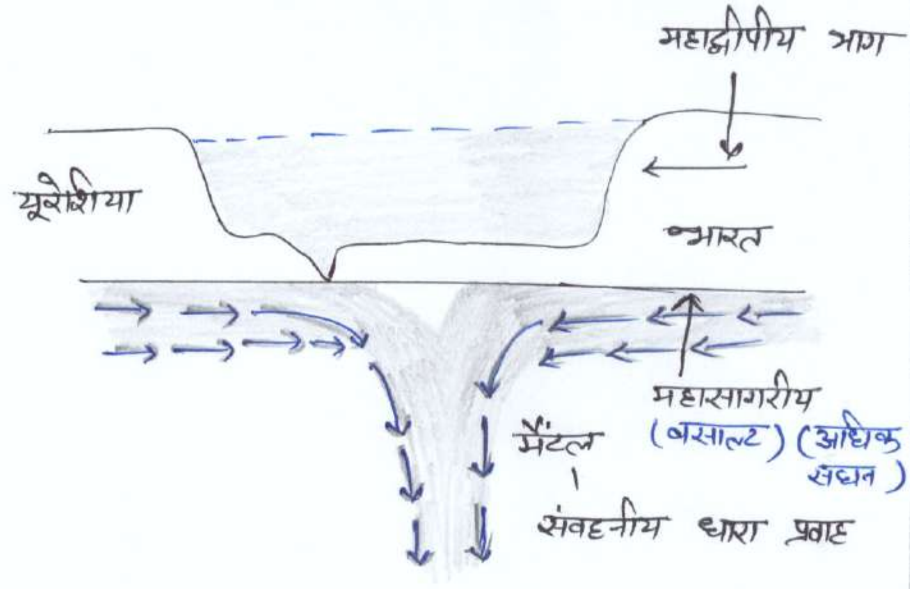
महाद्वीपीय भाग
यूरेशिया
भारत
महासागरीय (बसाल्ट) (अधिक सघन)
मैंटल
संवहनीय धारा प्रवाह

लगभग 30 मिलियन वर्ष पूर्व भारत की प्लेट यूरेशिया की प्लेट से जा टकराई, जिससे हिमालय की उत्पत्ति प्रारम्भ हुई, इसके उपरान्त भारतीय प्लेट का घड़ी की सुई के विपरीत दिशा में घूर्णन प्रारम्भ हुआ जिसके कारण यूरेशिया व भारतीय प्लेट के मध्य का टेथिस सागर संकुचित होकर अंततः विलुप्त हो गया और इसकी तली में व्याप्त निक्षेप वलित होकर पर्वत श्रृंखलाओं में परिवर्तित हो गए। ये श्रृंखला आज ट्रांस हिमालय / पार / टेथिस हिमालय के नाम से जानी जाती है।

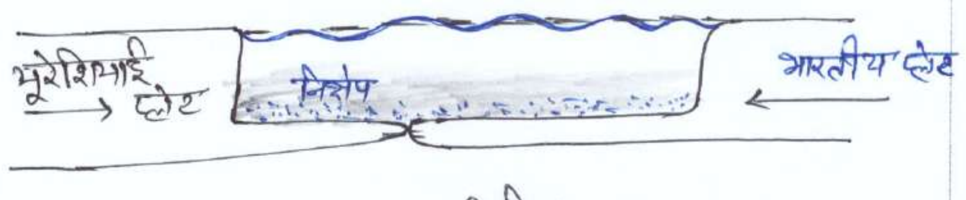

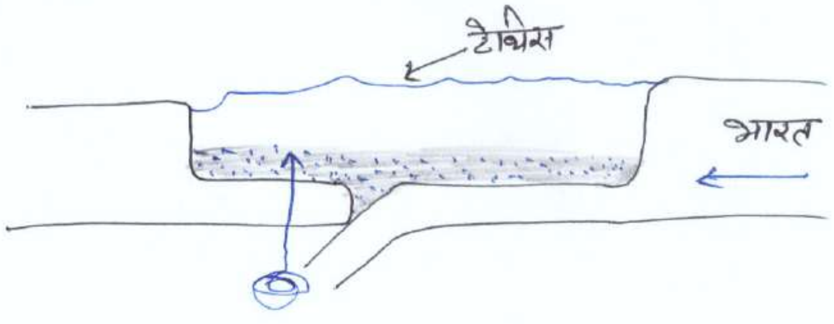

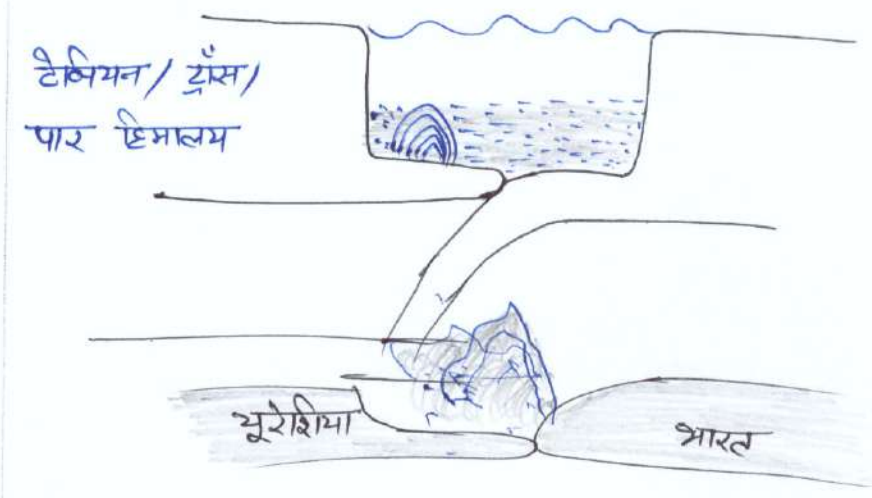

टेथियन/ ट्रांस/ पार हिमालय →

सबसे उत्तर में पाए जाने वाला
हिमालयी श्रृंखलाओं में सर्वप्रथम बनने वाले
सागरीय अवसाद व ज्वालामुखी शैल,
सागरीय जीवाश्म पाए जाते हैं।

हिमालयी श्रेणी →

ट्रांस हिमालय / टेथिस हिमालय की उत्पत्ति के उपरांत भारत और यूरेशियन महाद्वीपीय प्लेटें आपस में टकराईं, दोनों प्लेटें महाद्वीपीय होने के कारण कोई भी प्लेट नीचे की ओर क्षेपित नहीं हुई। तनाव के बढ़ने पर भारतीय प्लेट में विपरीत भ्रंशन होने के कारण टेथिस हिमालय के दक्षिण में 2 और समानान्तर श्रृंखलाओं का जन्म हुआ-

i) महान / वृहत हिमालय

ii) मध्य / लघु हिमालय ।

<u>हिमाद्री</u> ⇒

पुरानी चट्टानें ⇒ आर्कियन काल की चट्टान

ग्रेनाइट, नीस, शिस्ट
↓ ↓
आग्नेय रूपान्तरित / कायान्तरित

ट्रांस → सागरीय निक्षेप
↓
सागरीय जीवाश्म - विश्व की सर्वोच्च पर्वत श्रृंखला

औसत ऊँचाई - 6000 मीटर

- चौड़ाई → 25 - 30 किलो मीटर

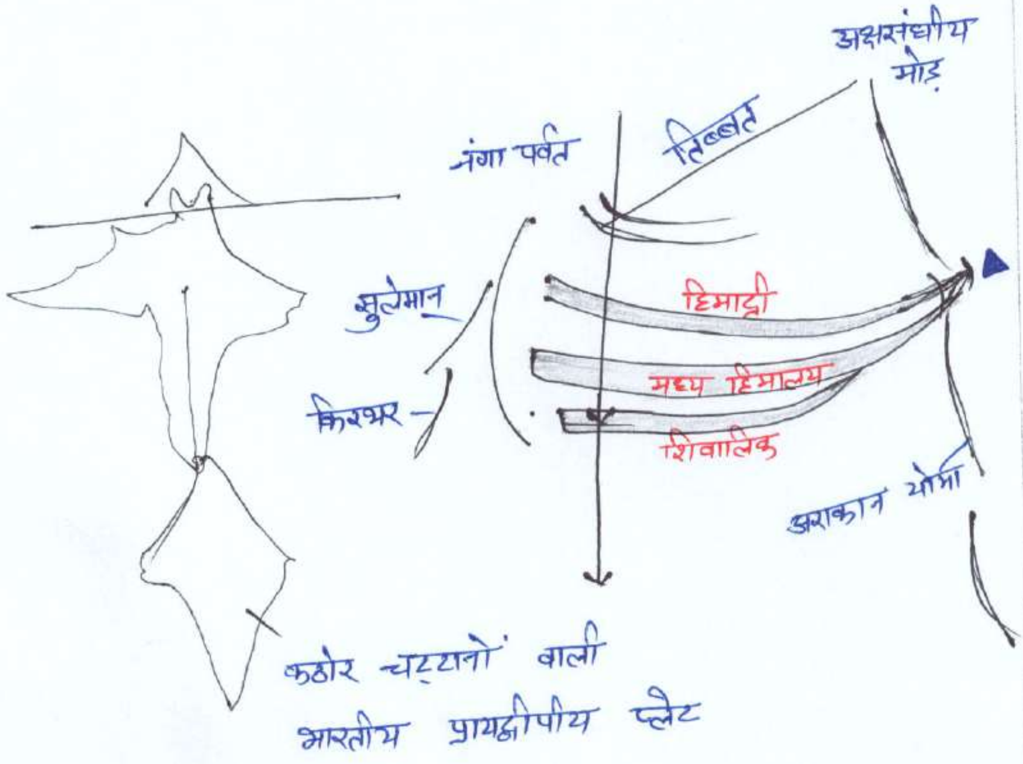

लघु हिमालय / हिमांचल →

- लगभग 80 Km. चौड़ा
- औसत ऊँचाई - 1300 से 5000 मीटर
- महत्वपूर्ण श्रेणियाँ - धौलाधर, पीरपंजाल, नाग टीबा, महाभारत, मसूरी ।
- प्रसिद्ध पहाड़ी पर्यटन स्थल - शिमला, रानीखेत, अल्मोड़ा, नैनीताल, चकराता, चैल, मसूरी आदि

• ढलान के किनारे छोटे-छोटे चरागाह – जिन्हें कश्मीर में मर्ग (जैसे - गुलमर्ग, सोनमर्ग, तनमर्ग) और उत्तराखण्ड में बुग्याल और पयार कहा जाता है।